TEACHERS OF BIHAR

# दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

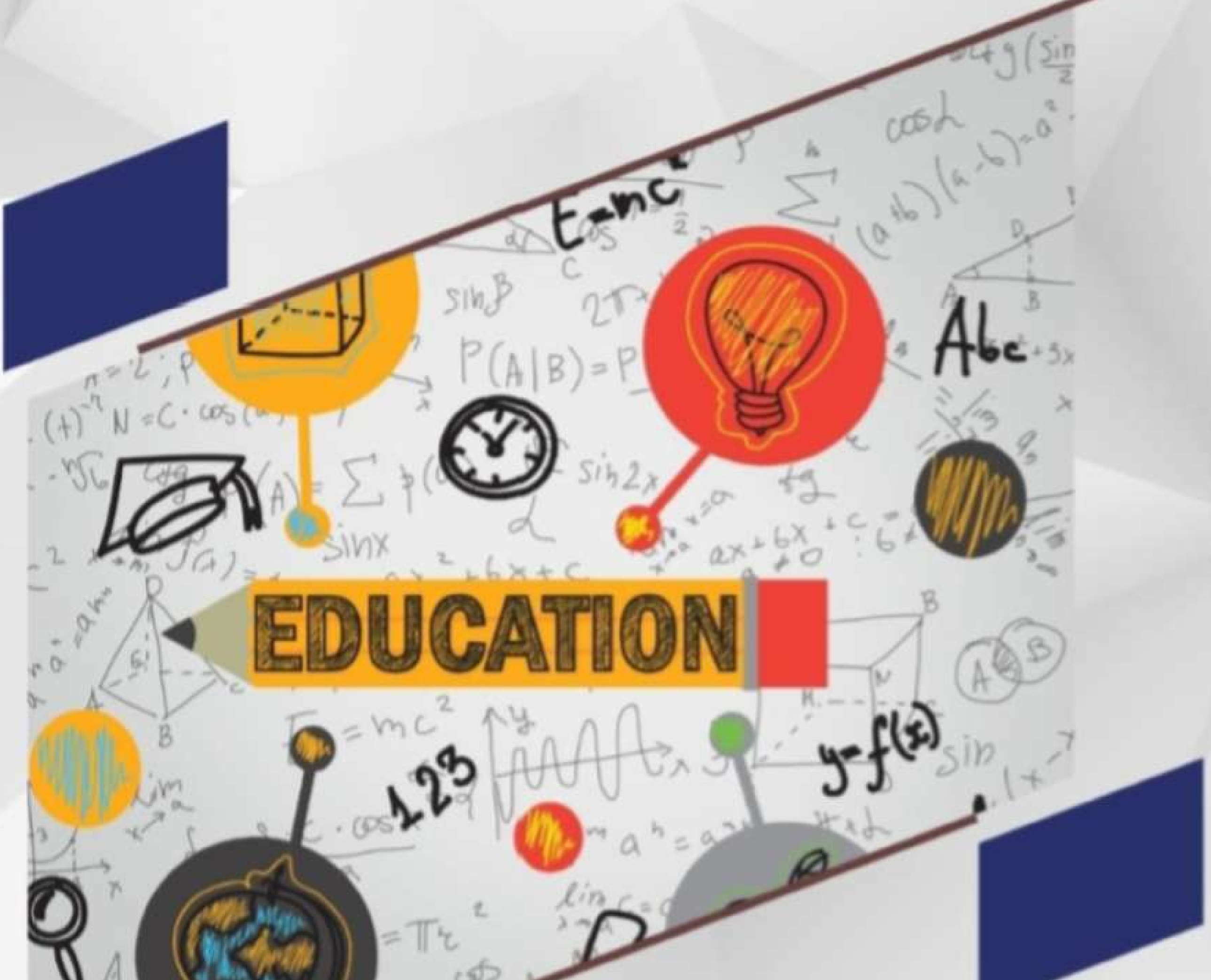


teachersofbihar@gmail.com
https://twitter.com/teachersofbihar
https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

पुण्यतिथि विशेष

**16 जनवरी 2026**

# Teachers of Bihar

The Change Makers

## आज का सुविचार

सुधार केवल बाहर से नहीं बल्कि

भीतर से शुरू होना चाहिए।

**महादेव गोविन्द रानाडे**

( समाज सुधारक )

जन्म : **18** जनवरी **1842** मृत्यु : **16** जनवरी **1901**

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

The change makers

# दिवस विशेष

16 जनवरी

मधु प्रिया

## शरतचंद्र चट्टोपाध्याय का निधन 16 जनवरी

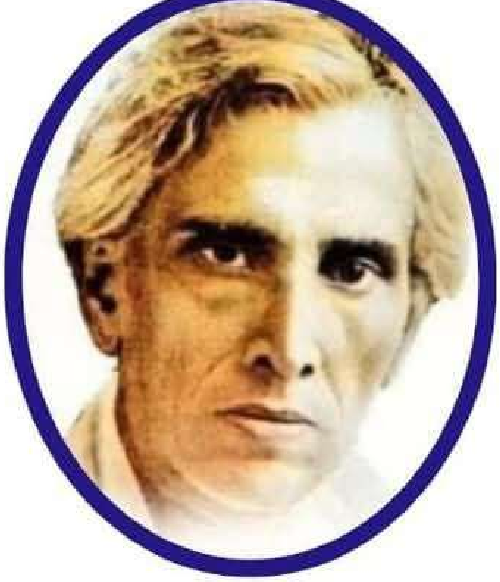

शरतचंद्र बांग्ला के अमर कथाशिल्पी और सुप्रसिद्ध उपन्यासकार थे। इनका जन्म 15 सितम्बर सन् 1876 ई. को हुगली ज़िले के एक देवानंदपुर गाँव में हुआ था। शरतचंद्र अपने माता-पिता की नौ संतानों में एक थे। शरतचंद्र ने अठ्ठारह साल की उम्र में बारहवीं पास की थी। शरतचंद्र ने इन्हीं दिनों 'बासा' (घर) नाम से एक उपन्यास लिख डाला, पर यह रचना प्रकाशित नहीं हुई] कॉलेज की पढ़ाई को बीच में ही छोड़कर वे तीस रुपए मासिक के क्लर्क होकर बर्मा (वर्तमान म्यांमार) पहुँच गए। शरत चंद्र चट्टोपाध्याय की कथा-साहित्य की प्रस्तुति जिस रूप-स्वरूप में हुई, लोकप्रियता के तत्त्व ने उनके पाठकीय आस्वाद में वृद्धि ही की है। शरत चंद्र चट्टोपाध्याय अकेले ऐसे भारतीय कथाकार भी हैं, जिनकी अधिकांश कालजयी कृतियों पर फ़िल्में बनीं तथा अनेक धारावाहिक सीरियल भी बने। इनकी कृतियाँ देवदास, चरित्रहीन और श्रीकान्त के साथ तो यह बार-बार घटित हुआ है।शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय बांग्ला के सुप्रसिद्ध उपन्यासकार एवं लघुकथाकार थे। वे बांग्ला के सबसे लोकप्रिय उपन्यासकार हैं। उनकी अधिकांश कृतियों में गाँव के लोगों की जीवनशैली, उनके संघर्ष एवं उनके द्वारा झेले गए संकटों का वर्णन है। इसके अलावा उनकी रचनाओं में तत्कालीन बंगाल के सामाजिक जीवन की झलक मिलती है। शरतचंद्र भारत के सार्वकालिक सर्वाधिक लोकप्रिय तथा सर्वाधिक अनूदित लेखक हैं। 1906 में उन्होंने शांति देवी से शादी की लेकिन 1908 में उनका निधन हो गया। शरतचंद्र चटर्जी का विवाह 1910 में दूसरी बार मोक्षदा नामक एक किशोर विधवा से हुआ था – जिसका नाम उन्होंने हीरामनोई रखा था। फिर उन्होंने रंगून जाकर लोक निर्माण विभाग के लेखा विभाग में नौकरी कर ली। 16 जनवरी 1938 को कोलकाता में लीवर कैंसर से उनकी मृत्यु हो गई।

Your paragraph text /teachersofbihar

# पुण्यतिथि विशेष 16 जनवरी

**महादेव गोविन्द रानाडे** *Mahadev Govind Ranade*, जन्म- 18 जनवरी, 1842; मृत्यु- 16 जनवरी, 1901) भारत के प्रसिद्ध राष्ट्रवादी, समाज सुधारक, विद्वान् और न्यायविद थे। उन्हें "महाराष्ट्र का सुकरात" कहा जाता है। रानाडे ने समाज सुधार के कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था। प्रार्थना समाज, आर्य समाज और ब्रह्म समाज का इनके जीवन पर बहुत प्रभाव था। गोविंद रानाडे 'दक्कन एजुकेशनल सोसायटी' के संस्थापकों में से एक थे।

# ICC वनडे रैंकिंग- टॉप 10 बैटर्स

| रैंक | टीम | बॉलर्स | रेटिंग |
|---|---|---|---|
| 1 | विराट कोहली | भारत | 785 |
| 2 | डेरिल मिचेल | न्यूज़ीलैंड | 784 |
| 3 | रोहित शर्मा | भारत | 775 |
| 4 | इब्राहिम जादरान | अफगानिस्तान | 764 |
| 5 | शुभमन गिल | भारत | 725 |
| 6 | बाबर आजम | पाकिस्तान | 722 |
| 7 | हैरी टेक्टर | आयरलैंड | 708 |
| 8 | शाई होप | वेस्टइंडीज | 701 |
| 9 | चरित असलंका | श्रीलंका | 690 |
| 10 | श्रेयस अय्यर | भारत | 682 |

# Teachers of Bihar
The Change Makers

# शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **16.01.2026**

## विशिष्ट अधिगम अक्षमता

विशिष्ट अधिगम अक्षमता (**Specific Learning Disability - SLD**) एक न्यूरो-डेवलपमेंटल विकार है जो किसी व्यक्ति की सुनने, सोचने, बोलने, पढ़ने, लिखने, वर्तनी या गणितीय गणना करने जैसी बुनियादी मानसिक प्रक्रियाओं में समस्या पैदा करता है, जिससे सीखने की क्षमता प्रभावित होती है; यह बौद्धिक अक्षमता नहीं है, बल्कि जानकारी को संसाधित करने का एक अलग तरीका है, जिसके मुख्य प्रकार डिस्लेक्सिया (पढ़ना), डिस्ग्राफिया (लिखना) और डिस्कैलकुलिया (गणित) हैं, जो सामान्य बुद्धि वाले बच्चों को भी प्रभावित कर सकते हैं।

# रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

1962 के युद्ध में देश की रक्षा हेतु 600 किलो सोना दान करने वाली दरभंगा की महारानी कामसुंदरी देवी का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। राजसी वैभव के बीच सादगी और कर्तव्य को सर्वोपरि रखने वाली महारानी का जाना भारतीय इतिहास के एक महान सेवाभावी युग का अंत है।

# पद्य पंकज

"

अब फैला फूलो में विकास,
मुकुलों के उर में मदिर वास,
अस्थिर सौरभ से मलय -श्वास,
जीवन- मधु- संचय को उन्मन
करते प्राणों के कवि गुंजन!

**सुमित्रा नंदन पंत**

www.padyapankaj.teachersofbihar.org

Madhu priya

START
UP
16 जनवरी
Madhu priya
/teachersofbihar

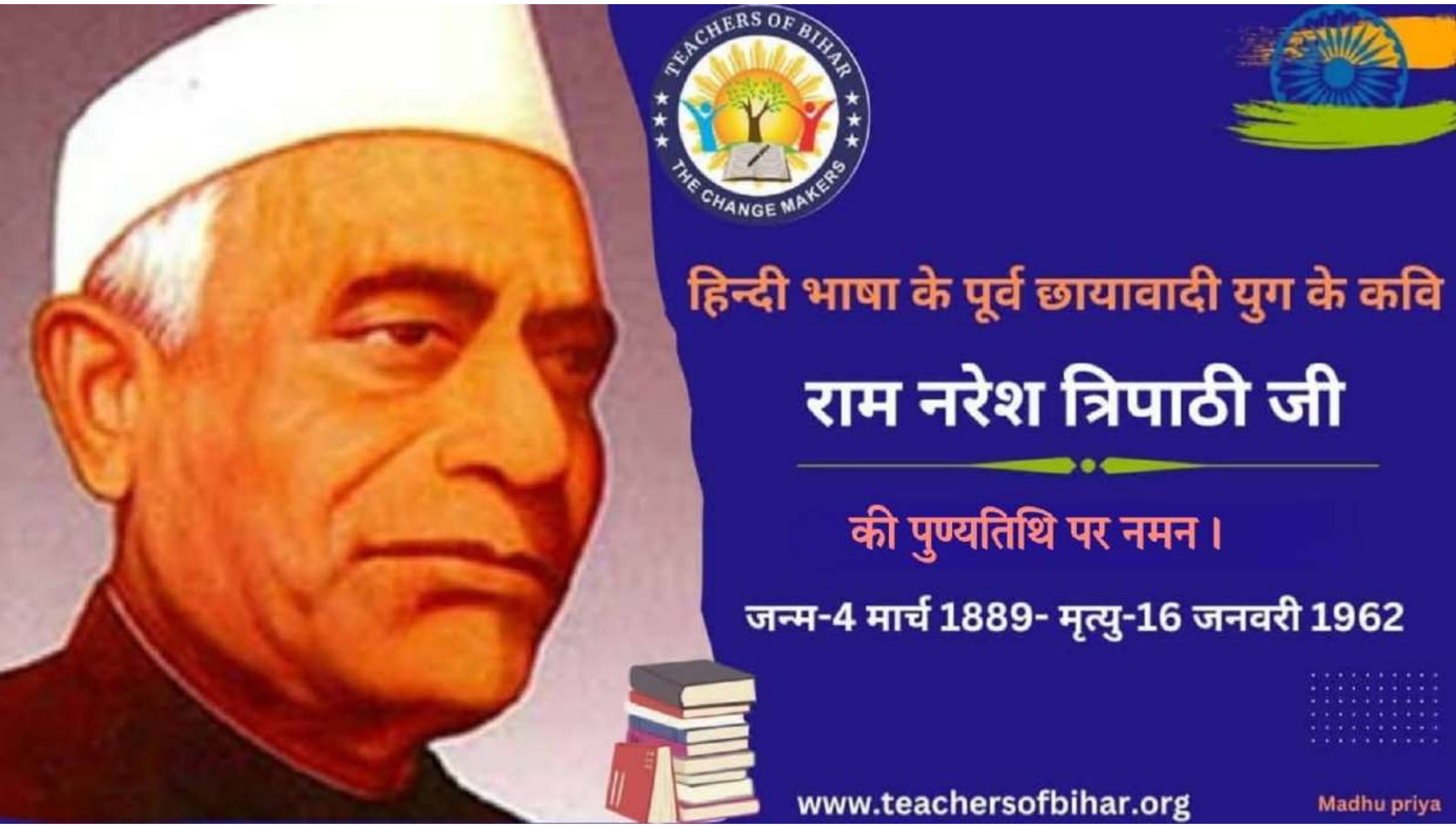
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
हिन्दी भाषा के पूर्व छायावादी युग के कवि
राम नरेश त्रिपाठी जी
की पुण्यतिथि पर नमन।
जन्म-4 मार्च 1889- मृत्यु-16 जनवरी 1962
www.teachersofbihar.org
Madhu priya

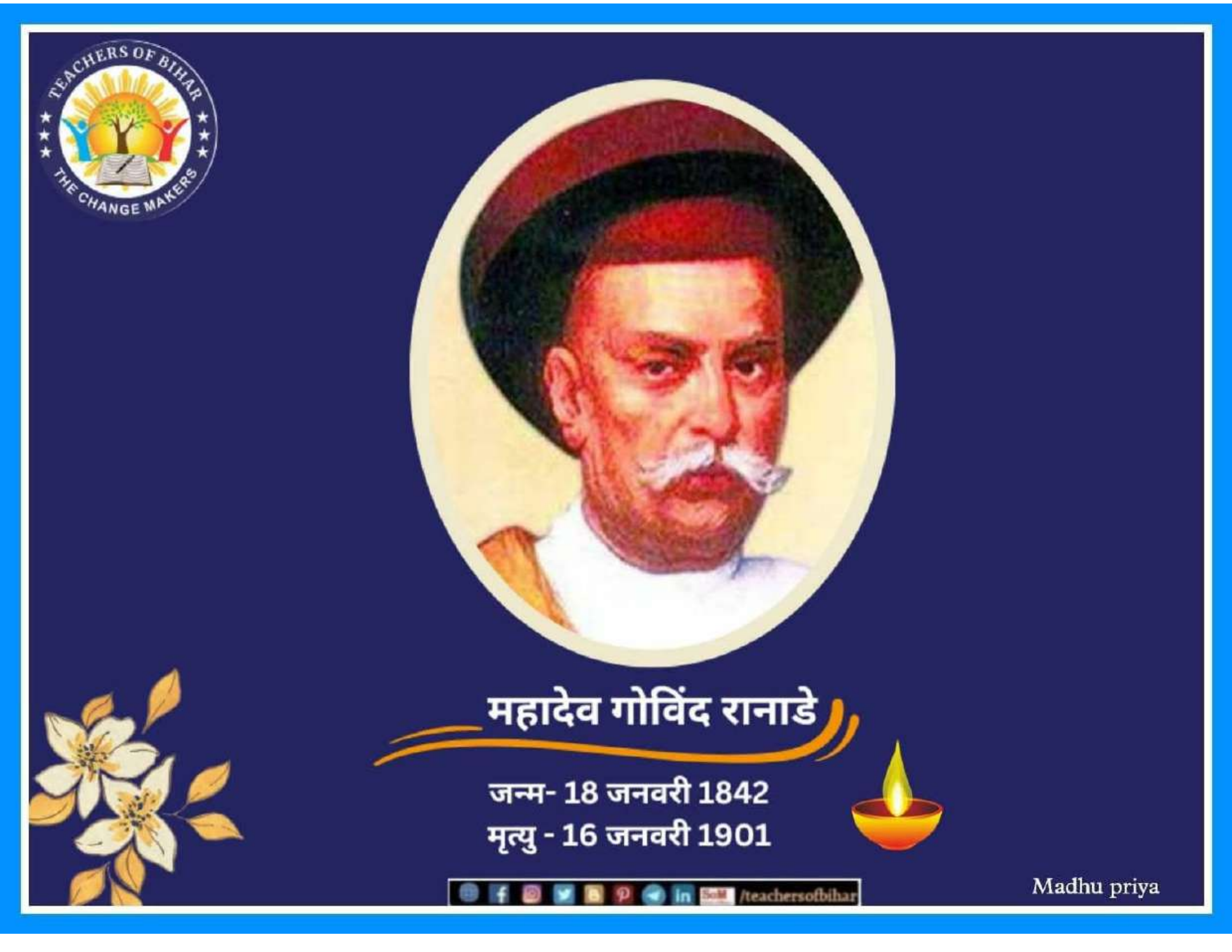
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
महादेव गोविंद रानाडे
जन्म- 18 जनवरी 1842
मृत्यु - 16 जनवरी 1901
/teachersofbihar
Madhu priya

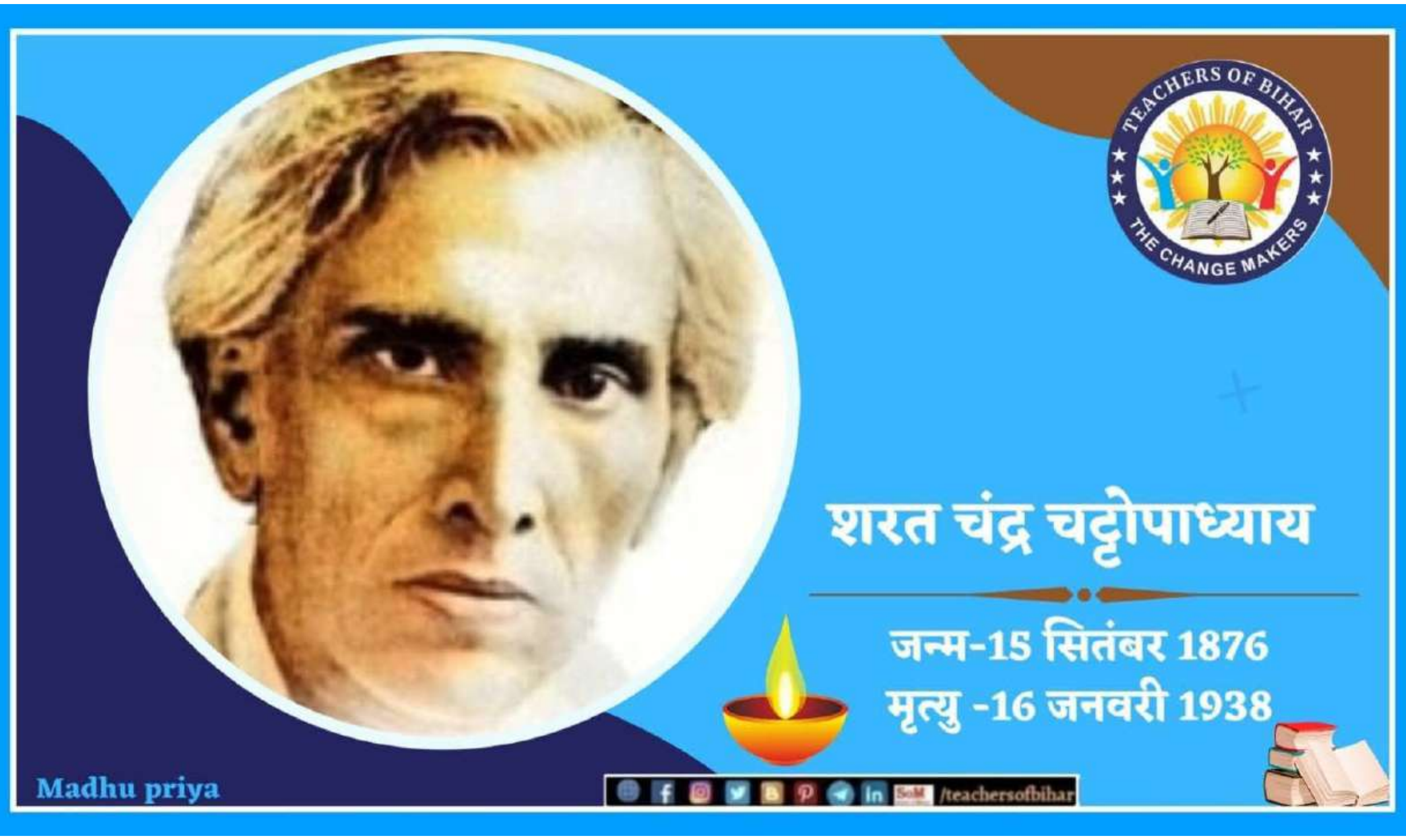
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
शरत चंद्र चट्टोपाध्याय
जन्म-15 सितंबर 1876
मृत्यु -16 जनवरी 1938
Madhu priya
/teachersofbihar